



THE SCERT BULLETIN

August 2022

In this issue:

निदेशक की कलम से
PAGE 01

TNA, आजादी का अमृत महोत्सव
PAGE 02

NMMS (HR), युवा संसद
प्रतियोगिता प्रशिक्षण
PAGE 03

Online Certification Course,
EOI, MLP on Diksha
PAGE 04

Integration of ICT in
Education, DIET
Restructuring Meeting,
Playlist of NISHTHA 2.0,
Online Orientation for
INSPIRE
PAGE 05

Student Science Seminar,
Research Paper, Monitoring
of School Science Labs
PAGE 06

Low-Cost Room AC Model,
Weekly Orientation to BRPs
and ABRCs, Mathsticks: E-
Newsletter,
PAGE 07

Modification and
Development of
Mathematics Lab at New
Delhi, Ongoing Research
Projects, SCERT in News:
Glimpses
PAGE 08

SCERT in News: Glimpses
(Contd.)
PAGE 09

आजादी के अमृत महोत्सव पर

निदेशक की कलम से

“आजादी हक भी है अपना, अपनी जिम्मेदारी भी।

जाग के हमको करनी होगी इसकी पहरेदारी भी।।”

जगतगुरु भारत, विश्वशांति का पुरोध भारत, विज्ञान और तकनीक में निरन्तर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता हुआ भारत, विश्व को योग का मूलमंत्र देने वाला भारत, शिक्षा के क्षेत्र में शिष्टाचार का बीजमंत्र फूँकने वाला भारत आजादी के 75 वर्ष पूर्ण कर चुका है। इन 75 वर्षों में हमने आलोक और अंधकार के अनेक युग पार किए हैं परन्तु अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति हम निरंतर सावधान रहे हैं। आजाद भारत ने हमें बहुत से अधिकार दिए हैं, जिनका प्रयोग हमें एक स्वतंत्र राष्ट्र का वासी होने तथा अपनी आकांक्षाओं को खुलकर जीने की सुखद अनुभूति देता है परन्तु यही आजादी हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सावधान रहने की सीख भी देती है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा जनतंत्र है और कोई भी जनतंत्र या राष्ट्र तभी उन्नति कर सकता है जब वहाँ की शिक्षा व्यवस्था और उसके प्रति जागरूकता का भाव समस्त देशवासियों में रहे। शिक्षा ही किसी राष्ट्र के भविष्य का निर्धारण करती है और शिक्षक शिक्षा रूपी रथ को प्रगति की ओर ले जाने वाले सारथी हुआ करते हैं। विश्व गुरु भारत पारम्परिक रूप से शिक्षा और शिक्षकों के निर्माण में नेतृत्व के लिए जाना जाता है। हमारे तक्षशिला और नालन्दा के विश्वविद्यालय आज भी इसकी गवाही देते हैं। हमारे विद्यालय देश की प्रगति के आधार हैं और शिक्षक समाज के ऊर्जा केन्द्र जो आज के विद्यार्थियों को कल का सक्षम नागरिक बनाते हैं। विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित एवं प्रशिक्षित करना राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद का मूल लक्ष्य है। देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमें समर्थ और संस्कारवान पीढ़ी जो नवाचारी ज्ञान से युक्त हो, की आवश्यकता है। इसके लिए यह आवश्यक है कि शिक्षकों पर निवेश किया जाए। इस कथ्य की तथ्यता और सत्यता को आधार बनाकर हाल ही में शिक्षकों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को बड़े स्तर पर जाना गया है तथा उसको आधार बनाकर इस प्रकार का सम्पूर्ण प्रशिक्षण पैकेज देने की तैयारी है जो केवल विषयपरक न होकर जीवन कौशल, भारत गौरव, सांस्कृतिक विरासत के प्रति स्वाभिमान, पर्यावरण-प्रेम और उसका संरक्षण, आलोचनात्मक चिंतन, देश की गरिमा और संस्कारपूर्ण शिक्षा से भी जुड़ा हो। शिक्षा जगत से जुड़े होने के नाते हम सब का पुनीत कर्तव्य है कि शिक्षकों और शिक्षक-संस्थानों को उन कौशलों से सुसज्जित करें, जिससे वे अपनी क्षमताओं का बढ़िया प्रयोग कर देश के उज्ज्वल भविष्य को कक्षाओं में तैयार कर पाने में पूर्ण सक्षम हों। यही राष्ट्र के प्रति हमारी सच्ची साधना व समर्पण है।



शुभकामनाओं सहित
विवेक कालिया

Training Need Analysis of Teachers and School Heads

A competent and well-performing teacher is one of the most important resource in any educational institution. Teaching is an important continuously evolving skill and teacher is the fundamental element in this process. The teacher and his teaching capabilities are always under discussion. All things considered training the teachers in the right direction is of utmost importance.

“The goal of Education is understanding, the goal of Training is performance”

Teacher Training is a continuous process that enhances teacher’s teaching skills, master novel knowledge, develop better or newer proficiency, which in-turn assist in improving students’ learning. It has often been observed that students’ achievement levels are not increasing correspondingly. A *Teacher Need Analysis* is the one that identifies common strengths and weaknesses among teachers, provides individual feedback to teachers and recommends specific system-level approaches. In most cases, teachers need specific trainings to improve their attitude, capabilities and effectiveness. Keeping all these objectives in mind, Teacher-Training wing at SCERT Haryana conducted a large-scale following the procedure as mentioned below:

1. Two separate Google Forms for Teachers & School Heads/Principals were developed and circulated in the field on 25-07-2022.
2. 18203 Teachers (7835 PRTs, 4472 TGTs, C&V and 5896 PGTs) recorded their responses in the Google Form till 1st August 2022.
3. 2284 Principals/School Heads have specified their training needs in this survey.

आजादी का अमृत महोत्सव

इस वर्ष 15 अगस्त 2022 के दिन भारत को आजाद हुए 75 वर्ष पूर्ण होने की खुशी में देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने- अपने अलग अंदाज से बच्चों ने भावाभिव्यक्ति की। घर –घर तिरंगा मुहिम के अंतर्गत बच्चों ने विद्यालयों से गाँव- गाँव, गाँव-शहर से गली –मोहल्ले तक तिरंगे के साथ पदयात्रा की। भारत माता की जय, जय जवान –जय किसान, जयहिंद व वंदे मातरम के नारों के साथ पूरा वातावरण गुंजायमान था। देश भक्ति के गीतों के साथ सभी के कदम आगे ही आगे बढ़ रहे थे। बड़ा ही रमणीक व मनोरम दृश्य था। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद हरियाणा गुरुग्राम के प्रांगण में भी देश भक्ति का भाव लिए ध्वजारोहण किया गया व सेल्फी कार्नर तैयार किया गया जहाँ सभी ने सेल्फीलेकर देश के प्रति समर्पण भाव प्रदर्शित किया। **परिषद् की वेबसाइट एवं सोशल मीडिया मंचों पर हर**

घर तिरंगा अभियान के बैनर्स व चित्रों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। “देश की आन –बान– शान है तिरंगा, देश का स्वाभिमान है तिरंगा, हम सबका अभिमान है तिरंगा, न झुकेंगे न झुकने देंगे, इस पर सर्वस्व कुर्बान है अपना” आदि नारों के साथ सभी ने देश व तिरंगे के प्रति सम्मान भाव प्रदर्शित किया। राज्य में स्थित सभी शैक्षणिक संस्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा बच्चों ने देश की आजादी को दर्शाया।



National Means Cum-Merit Scholarship (NMMS)

NMMS exam for the year 2022 in Haryana state will be conducted on November 20, 2022. Eligible students can fill their application forms on SCERT Haryana and BSEH Bhiwani websites. Applications started w.e.f. August 25, 2022 and will remain open till October 4, 2022. Students studying in Class 8th in government schools of Haryana are eligible to take the exam. A total of 2337 candidates will be selected from the above-mentioned examination in Haryana state.

National Means-cum-Merit Scholarship Scheme (NMMSS), a centrally sponsored scheme was launched in May, 2008 under the aegis of the Ministry of Education, Department of School Education & Literacy. The objective of the scheme is to award scholarships to meritorious students of economically weaker sections to arrest their drop out at class VIII and encourage them to continue the study at secondary stage. Scholarship of Rs. 12000/- per annum (Rs.1000/- per month) per student is awarded to selected students every year from class IX to XII in State Government, Government aided and local body schools. There is quota of scholarships for different states/UTs. Students whose parental income from all sources is not more than Rs. 3,50,000/- are eligible to avail the scholarships. Reservation as per State Government norms is applicable.

The students studying in “Kendriya Vidyalayas” and “Jawahar Navodaya Vidyalaya” are not entitled to get scholarship under this scheme. Similarly, students studying in Residential Schools run by the State Government Institutions, where facilities like boarding, lodging and education are provided and students studying in private schools are also not eligible for the scholarship under this scheme.

शिक्षकों को दिया गया युवा संसद प्रतियोगिता प्रशिक्षण

05 अगस्त 2022 शुक्रवार को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम हरियाणा में एक दिवसीय युवा संसद प्रतियोगिता का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरियाणा राज्य की समस्त डाइट्स से चयनित दो राजनीति विज्ञान के विषय- विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। संसदीय कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधि ए बी आचार्य ने अपने वक्तव्य में युवा संसद प्रतियोगिता का इतिहास और वर्तमान कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि युवा संसद प्रतियोगिता का प्रारंभ सन् 1966 में हुआ था तब से ही यह प्रतियोगिता देश के सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, नवोदय विद्यालयों, केंद्रीय विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में आयोजित हो रही है। उन्होंने हरियाणा राज्य से आए सभी प्रतिभागी सदस्यों को स्कूल स्तर पर युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन करवाने बारे जानकारी दी।



संसद में कानून निर्माण की प्रक्रिया, प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों की संख्या 50 से 55 के बीच होनी चाहिए। प्रतियोगिता के समय विजेता टीम का चुनाव, अंक निर्धारण करने के तरीके, साथ ही संसद में जनता के चुने हुए प्रतिनिधि जनता की आवाज किस प्रकार उठाते हैं? आदि बिन्दुओं की जानकारी देते हुए संसद की प्रक्रिया को बड़ी ही सजगता और स्पष्टता से समझाया ताकि प्रतियोगिता उपरांत बच्चे अपने अधिकारों व कर्तव्यों का सही निर्वहन कर सकें। संसद की कार्यप्रणाली को समझकर भविष्य में ऐसे प्रतिनिधि चुन सकें जो उनकी आवाज को संसद में उठा सकें। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष जिन स्कूलों को युवा संसद प्रतियोगिता आयोजित करने का अवसर नहीं मिल पाया है वो स्कूल ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करके इस प्रतियोगिता के नियमों का पालन करते हुए संसदीय कार्य मंत्रालय से ऑनलाइन ही भागीदारी का सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं। परिषद के निदेशक विवेक कालिया जी के दिशा निर्देशानुसार हरियाणा राज्य के प्रत्येक जिले के हर ब्लॉक से चार स्कूलों का चयन किया गया है, जिससे ज्यादा से ज्यादा बच्चे जागरूक हो सकें और युवा संसद प्रतियोगिता कराने का उद्देश्य पूरा हो सके। उक्त प्रतियोगिता प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ब्लॉक स्तर से जिला स्तर और फिर कमिश्नरी स्तर पर करवाई जाएगी। कमिश्नरी स्तर पर विजेता टीम को राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद हरियाणा गुरुग्राम द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत संसदीय कार्य मंत्रालय से आए प्रतिनिधियों के द्वारा प्रतिभागिता प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न देकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया जाएगा।

Online Certification Course on Monitoring & Evaluation

Peer Learning Community (PLC-1) meeting of Online Certification Course on Monitoring & Evaluation was organized on 2nd and 3rd August 2022 and PLC 2 was organized on 29th and 30th August 2022. As described in July e-magazine that this course has been divided in to 3 modules and after each module there will be one Peer Learning Community meeting. In PLC1, recapitulation and doubt clearing of module 1 and in PLC 2, recapitulation and doubt clearing of module 2 was done and every participant participated with full enthusiasm.



EOI : e-content curation from Partners



Educational Technology wing is working on e-content creation and curation for encouraging e-learning. To increase the number of quality e-content available on DIKSHA, an EOI (Expression of Interest) notice was published in different newspapers on 22nd June 2022. In response of that we received response and willingness to give their content for uploading on DIKSHA from 8 external content partners. Approximately 4000 content **pieces** have been received in total which are under review process for ensuring quality of content. The

process of content review from 3 content partners has been completed and is in uploading process. The content from the rest is expected to be completed by Sept end.

Micro Learning Packages (MLP) on DIKSHA

To increase the use case of DIKSHA, a meeting with National DIKSHA PMU team was chaired by Director, Sh. Vivek Kalia on 11-07-2022. Three types of initiatives were discussed for this: Micro Learning Packages (MLP), VSK, C-Qube. ET wing, SCERT Haryana has started with MLP, for which scope of work and process of work has been documented. In MLP, each chapter will be designed as a student course and shared with students for helping them in studies.

Sr. No.	Class	Total number of chapters	Number of chapters of the Main Subjects (Eng,Hindi,Maths Sc,SS)
1	Class 6	266	140
2	Class 7	264	167
3	Class 8	234	124
4	Class 9	181	112
5	Class 10	162	108
	Total	1107	651

Total 651 micro courses are proposed to be prepared, in phase 1, for 6th to 10th classes. Five main subjects English, Hindi, Maths Science, Social Science will be taken for course creation. These courses will be available for students before half yearly exams.

Integration of ICT in Education

Orientation of teachers (PRTs, TGTs and PGTs) of Rajasthan was organized at Regional Institute of Education Ajmer, from 22nd -26th Aug 2022. Dr. Manoj Kaushik from Educational Technology wing, SCERT Haryana got an opportunity to conduct sessions as NCERT deputed Resource Person from Haryana. The program was planned and organized by CIET-NCERT in association with RIE for preparing teachers for ICT enabled classroom teaching learning process.



DIET Restructuring meeting:

A meeting with selected experts from DIETs and SCERT was organized on 25th Aug 2022 by Teacher Education wing. The meeting was attended by Sh Ravinder Phogat (DIET wing), Sh R.K Ponia (Teacher Education) and Sh Manoj Kaushik (ET wing). A draft proposal was prepared for addressing the gaps and all areas of strengthening of DIET wings.



Playlist of Nishtha 2.0 Feedback and Ek Bharat Shrestha Bharat videos

Ek Bharat Shrestha Bharat videos are technically reviewed and uploaded on YouTube and playlist has been created by ET wing. The playlist link is

https://www.youtube.com/playlist?list=PLRvY7d1mL14LDx_WQEFU6YleBT_6vCuiq

Nishtha 2.0 feedback videos are also technically reviewed and uploaded on YouTube and playlist has been created. The playlist link is

<https://www.youtube.com/playlist?list=PLRvY7d1mL14Kk22vXpBx0nvLSXpODocr2>

Online orientation of DSS for INSPIRE AWARD MANAK

An online orientation of all DSS with NIF officials was organized on 1st August 2022. The objective of the meeting was to discuss INSPIRE MANAK nominations and process of registration. **INSPIRE AWARD MANAK** is one of the flagship programs of Department of Science and Technology, Govt. of India. Nominations for 2022-23 are open now. All schools whether private/ Govt. may submit a maximum of 5 ideas/ innovations of students (6th-10th) up to 30th September, 2022. An online meeting was also organized on 12th August for the teachers of Bhiwani district in which DSS Bhiwani, Science wing members from SCERT and NIF officials addressed the queries of the teachers



Student Science Seminar

National Science Center, Delhi organizes Student Science Seminar every year. The objective of the seminar is to inculcate a spirit of scientific enquiry and analytical thinking in the minds of young students. The Seminar is organized at School, Block, District and State level by SCERT. The topic for this year’s seminar is “Basic Sciences for Sustainable Development: Challenges & Prospects” (“सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान: चुनौतियां और संभावनाएं”).

The seminar has already been organized at block and district level. The winner of District level will now participate in State level event on 13th September 2022 at SCERT Gurugram.



Research Paper

A research paper titled – “**Structural Dependence of Stability of Semiconducting Nanowires**” of Dr. Sanjay Prakash Kaushik has been accepted for publication in ‘**Shodhsankalp**’ Journal. The journal is indexed in International Copernicus Index, J- Gate and SJIF. Some other research projects are also going on under the flagship of Science Wing and hopefully we shall see some critical and significant scientific output in coming time.



Monitoring of Schools for Science Labs status

The status and working of science lab in 3 schools of Rewari district and Jhajjar district was checked by Members of Science wing. Onsite support on use of apparatus was provided to the teachers.



Room AC: low-cost / no cost Science model

In the series of development Nano-kit comprising of low cost/ no cost Science models, the wing members have designed Room AC which works on the principle of cooling caused by expansion of air. It is a natural cooling set up producing effective output without causing much harm to the environment. This model will be helpful for having in depth understanding for concept of air expansion.

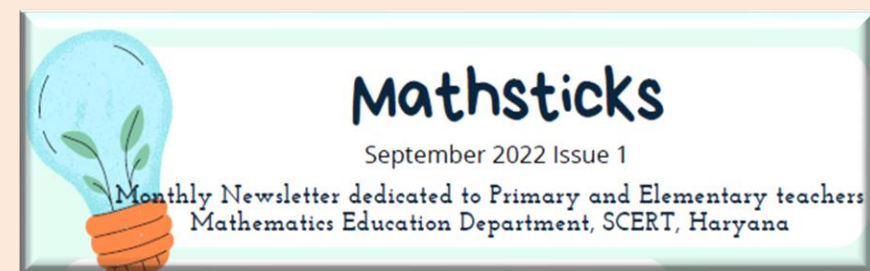


Weekly online sessions on Continuous Professional Development in Mathematics for BRPs and ABRCs.

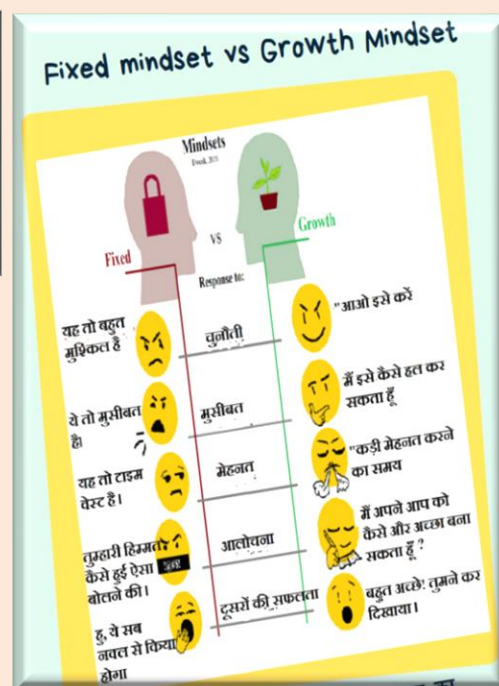
In order to inspire, educate and empower teachers of mathematics, transforming the latest research on Maths learning into accessible and practical forms and implementing the recommendations given by NCF, 2005 and NEP 2020, Mathematics education department continues to conduct weekly online sessions (Every Friday) for Continuous Professional Development of BRP and ABRCs in Mathematics. This month, the major focus of online sessions was to deeply analyze the tasks and activities given in the Primary Mathematics textbooks from the lens of Constructivist pedagogy, nature of Mathematics and Psychology of a Child. The participants were given opportunities to work in smaller groups (in the breakout rooms) on the tasks given in the textbook and then shared and discussed their solutions,

strategies and reflections with the whole group. They were also provided with a reading on learning process and were asked to compare the tasks with the aspects of the learning process. Such opportunities helped to deepen their understandings on Primary mathematics textbooks which would further add to build their confidence in convincing teachers to use Maths textbooks in a sensible way.

‘Mathsticks’ Maths E- Newsletter, an Initiative for all Maths Teachers



SCERT, Haryana is ready to release the first issue of the Monthly Maths e-Newsletter that is dedicated to Primary and Elementary Maths teachers. Worthy Director, Mr Vivek Kalia, SCERT, Haryana has given a key message in the first issue of the letter to motivate the teachers and to implement the ideas in their classroom. The Maths letter is envisioned to inspire, educate and empower Mathematics teachers and transform the latest research into accessible and practical forms. To achieve this objective, each issue of the e-newsletter of Maths would mainly depict important research work in the field of Maths Education in simple language, open-ended problems/ tasks, teachers’ reflections and experiences of their classroom. To come up with the final version, a sample of teachers from the field reviewed the letter critically and



provided their feedback. The task given in the letter was also tried in 4 Maths Classrooms and an overwhelming response was received. To reflect and implement the ideas in their pedagogy, BRP and ABRCs who are connected with the maths department through online weekly sessions would observe and encourage teachers to read and discuss the ideas given in the Maths Newsletter. Youtube live session would also be held for the teachers to orient regarding the structure and agenda of the Maths e- Newsletter.

Modification and Development of Mathematics Laboratory at NCERT, New Delhi



The mathematics department at SCERT Haryana, Gurugram, due to its distinguished work for creating a maths laboratory, got an opportunity to participate in the modification and Development of the Mathematics Laboratory at NCERT in a 5-day workshop. In the workshop, officials did the brainstorming with a small group of scholars regarding modification and creation of new models and teaching-learning material in working form using simple equipment like screws, wood, Eva sheets, cardboard, etc. Each modification or new creation was deeply discussed with the whole group to get their views and suggestions if further modifications are feasible. It was a great

learning experience to work in such a diverse group having officials from different states.

Ongoing Research Projects:

- As per NCERT guidelines Dipstick study to explore the reason for the low performance of students in language in grade 3 in the Govt. Schools. District Mahendergarh selected for the study on the basis of NAS 2021 State Report Card and District Report Card. Survey activities has been completed and data entry is in progress.
- A comparative study between NAS results of 2017 & 2021. District wise Interpretation Sheets received from all Districts. Data compilation process has been completed.
- Abstracts of research studies/ Action Researches prepared and collated from DIET and sent to NCERT for uploading on the portal. One Abstract of research study of SCERT prepared and sent.

S.no	District	No of Abstracts
1.	Gurgaon	01
2.	Kurukshetra	05
3.	Jhajjar	05
4.	Palwal	03
5.	Panchkula	05
6.	Rewari	08
7.	Yamunanagar	07
8.	School faculty	02
9.	SCERT	01

- Report writing has been completed for the study “Status and effectiveness of online teaching during pandemic in government schools of Haryana.

SCERT in NEWS: Glimpses

नवचेतना मॉड्यूल के आधार पर एससीईआरटी तैयार करेगी मास्टर्स ट्रेनर गुरुग्राम। हरियाणा के 10 जिलों के युवाओं को नशा के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा युवाओं को नशीले पदार्थों से दूर रखने के उद्देश्य से नशामुक्त भारत अभियान शुरू किया गया। इसके तहत देशभर के 300 जिलों को चिह्नित किया गया, जिसमें हरियाणा के 10 जिले भी शामिल हैं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम (एससीईआरटी) के निदेशक विवेक कालिया ने बताया कि अंबाला, फतेहाबाद, हिसार, करनाल, कुरुक्षेत्र, नूंह, पानीपत, रोहतक, सोनीपत व सिरसा में युवाओं को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी जाएगी। ब्यूरो

